APPENDIX - IV

# MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY AJMER

**Format for Outline of Proposed Research work**

1. Name of the Scholar (In English) : **MANDROOP RAM DEORA**

   (In Hindi) **मन्दरूप राम देवड़ा**

2- Title of the Research Work :

   (In English) **The Major Religious Places of Cultural and Tourist Importance in Jodhpur Division of Rajasthan State**

   (In Hindi) राजस्थान राज्य के जोधपुर संभाग में सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थल

3. Location

   a. Institution/Department where the work is to be done -

   S.D. Govt. College, Beawer P.G. Department of History

   b. Geographical area of Investigation, if any – Jodhpur Region (Jodhpur, Barmer, Jaisalmer, Jalore, Sirohi, pali)

4. Introduction Importance of proposed Investigation, Objectives. Annexure- I
5. Review (Work already done on the subject of proposed Research Study.) Annexure-II
6. Research Gaps identified in the proposed field of investigation. (Based on the review) Annexure-III
7. Major Hypothesis, if any. Annexure-IV
8. Research Methodology. Annexure- V
9. List of References cited. Annexure-VI
10. Chapter wise detail of proposed research. Annexure-VII

Signature of the Candidate with date

Outline Approved

Name and Signature of Supervisor with date & seal

# MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY, AJMER

**Certificate By Supervisor**

**Certified that :**

1. I am willing to guide the research work of Shri/Km./Smt. MAND ROOP RAM DEORA on the above subject if he/she is registered for Ph.D.
2. To the best of my knowledge, the subject selected has not been studied and is not being studied so far in any University.
3. The subject is of sufficient scope to keep the candidate engaged for two years.
4. The subject will lead to a valuable contribution. I have seen and approved the outline of proposed research work submitted by the candidate.
5. I have ...03... (give numbers) Research candidates registered under my supervision and the serial number of this candidate whose application is being forwarded for registration is ...05... (give the serial number)
6. The candidate is not in a close relation (the term of close relation is defined in the examination ordinance of the University)

Signature of the Supervisor with date

Certified that the available facilities will be extended to Shri/~~Km./Smt.~~ Mandroop Ram Deora for research work if he/she is registered for Ph.D.

Signature of the Principal/ Director of the Institution with date

स.ध.राजकीय महाविद्यालय, ब्यावर

प्रवक्ता
राज० महाविद्यालय
ब्यावर (राज०)

Signature of the (Head) Department with date

Annexure –I

## Introduction Importance of Proposed Investigation, Objectives :-

जोधपुर संभाग में अनेक ऐसे सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थल हैं, जिनका अभी तक अध्ययन नहीं किया गया हैं। प्रस्तुत शोध में जोधपुर संभाग के प्रमुख सांस्कृतिक व पर्यटक महत्त्व के धार्मिक स्थलों का अध्ययन प्रस्तुत किया जायेगा।

इन प्रमुख स्थलों के अध्ययन का महत्व निम्न प्रकार से रेखांकित किया जा सकता हैं :–

1. सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थलों की स्थापना का ऐतिहासिक परिचय प्रकाश में आयेगा।
2. इन स्थलों का सम्प्रदाय व पंथ से सम्बन्ध को रेखांकित किया जा सकेगा।
3. इन स्थलों का सामाजिक जीवन पर पड़े प्रभाव को रेखांकित किया जा सकेगा।
4. इन स्थलों का कला, भाषा व साहित्य के संवर्धन में जो योगदान रहा है उसे भी रेखांकित किया जा सकेगा।
5. धार्मिक सहिष्णुता में इनके योगदान को रेखांकित किया जा सकेगा।
6. वर्तमान में पर्यटक की दृष्टि से उनके महत्व को रेखांकित किया जा सकेगा।

इसी तरह उक्त शोध कार्य के उद्देश्य को निम्न बिन्दुओं के माध्यम से रेखांकित किया जा सकता हैं :–

1. जोधपुर संभाग के सांस्कृतिक व पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थलों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को प्रकाश में लाना।
2. इन स्थलों का वर्तमान अस्तित्व व परिचय प्रस्तुत करना।
3. इन स्थलों के राजस्थान के सांस्कृतिक जीवन में जो महत्व है उसको प्रकाश में लाना
4. जोधपुर संभाग में अभी भी ऐसे सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के अनेक स्थल है जिनका अध्ययन नही किया गया है। प्रस्तुत शोध के माध्यम से सांस्कृतिक व पर्यटक की दृष्टि से इन स्थलों का अध्ययन किया जायेगा।

## Annexure – II

## Review (Work already done on the subject of proposed study)

प्रस्तुत शोध से पूर्व संदर्भित विषय पर अलग–अलग विद्वानों ने कार्य किये हैं। इनमें डॉ. शालिनी सक्सेना द्वारा लिखित 'राजस्थान के लोकतीर्थ' प्रमुख है। लेकिन इसमें राजस्थान के प्रमुख लोकतीर्थो का ही वर्णन किया गया है, जबकि प्रस्तुत शोध में हिन्दू, जैन, इस्लाम आदि धर्मो एवं इनके सम्प्रदायों से सम्बन्धित स्थलों की विवेचना की जायेगी। इसी तरह डॉ. एस.एल. नागौरी व कान्ता नागौरी ने अपनी पुस्तक 'राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास' में लोकदेवता एवं देवियों का वर्णन किया है, इसमें केवल परिचयात्मक विवरण ही मिलता हैं। प्रस्तुत शोध में राजस्थान राज्य के जोधपुर संभाग में सांस्कृतिक व पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थलों का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत किया जा सकेगा। इसी भांति डॉ. सतीश कुमार त्रिगुणायत ने अपने शोध प्रबन्ध 'प्राचीन राजस्थान में वैष्णव धर्म' में राजस्थान के वैष्णव धार्मिक स्थलों का वर्णन किया है, लेकिन इसमें जोधपुर संभाग के सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थलों का विस्तार से विवेचना नही की गई हैं।

डॉ. एम.एल. शर्मा ने अपने शोध प्रबन्ध 'राजस्थान में देवी उपासना' तथा डॉ. राघवेन्द्र सिंह मनोहर ने अपनी कृति 'राजस्थान के प्रमुख शक्ति पीठों' का उल्लेख किया हैं। जबकि प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में सभी धर्मो व सम्प्रदायों के सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थलों एवं उनके महत्व तथा धार्मिक सहिष्णुता में उनका योगदान तथा उनके पर्यटकीय महत्व तथा सांस्कृतिक जीवन पर पड़े प्रभाव को विस्तार से रेखांकित किया जा सकेगा।

## Annexure – III

## Research Gaps identified in the proposed field of investigation (Based on the review)

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के अन्तर्गत अब तक इस क्षेत्र में किये गये कार्यो की रिक्तता को भरने का प्रयास किया जायेगा। पूर्व के इस क्षेत्र के साहित्यिक कार्यो में जोधपुर संभाग के सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थलों की विस्तृत विवेचना नहीं की गई हैं। अतः प्रस्तुत शोध में उनकी विस्तृत विवेचना की जा सकेगी, इन स्थलों ने राजस्थान के सांस्कृतिक गौरव को बढाने में बहुत बड़ा योगदान दिया हैं। इस शोध के पूर्व की कृतियों में उनके पर्यटकीय महत्व को उजागर नहीं किया गया हैं। प्रस्तुत शोध के माध्यम से इनके पर्यटकीय महत्व को भी रेखांकित किया जा सकेगा।

## Annexure – IV

## Major Hypothesis

1- प्रस्तुत अध्ययन के माध्यम से राजस्थान राज्य के जोधपुर संभाग में सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थलों की ऐतिहासिकता प्रकाश में आ सकेगी।

2. इस अध्ययन से स्थलों से सम्बन्धित सम्प्रदायों, पन्थों के द्वारा समाज सुधार एवं सामाजिक समरसता के लिये जो प्रयास किये गये उनको जन–जन तक पहुचाया जा सकेगा, इससे समाज की और अधिक उन्नति सम्भव हो सकेगी व वर्तमान समाज में विद्यमान नशाखोरी, दहेज प्रथा, स्त्री शिक्षा, कन्या भ्रूणहत्या, पर्दा प्रथा, बाल विवाह जैसी कुरीतियों से समाज को मुक्त कराने में सफलता मिल सकेगी।

3. इन स्थलों की देख रेख से लगे संगठनों, सम्प्रदायों, पंथों के द्वारा राजस्थानी कला, भाषा व साहित्य के संवर्धन में जो प्रयास किये जा रहे है उन्हे इस अध्ययन के माध्यम से आम जन तक पहुचाया जायेगा ताकि जन सामान्य सकारात्मक सोच के साथ इन स्थलों से जुड सकेगा।

4. इन स्थलों का अध्ययन जब पर्यटकों तक पहुचेगा तब निश्चित रूप से इन संभाग में आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो सकेगी।

5. वर्तमान में धार्मिक सहिष्णुता की आवश्यकता हैं ताकि हम अपने धर्म का पालन करते हुए दूसरे धर्मो को सम्मान देकर एक स्वस्थ व भाई चारे वाली सामाजिक व्यवस्था को स्थापित कर सके। इसके लिए भी उक्त प्रस्तुत शोध प्रबन्ध महत्वपूण भूमिका निभा सकेगा।

## Annexure – V

## Research Methodology

प्रस्तुत शोध अध्ययन में निम्नलिखित शोध पद्धतियां काम में लाई जायेगी।

1. **फील्डवर्क एवं सर्वे** – राजस्थान राज्य के जोधपुर संभाग में सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थलों का सर्वे किया जायेगा एवं उनकी स्थापना व ऐतिहासिकता को प्रकाश में लाया जायेगा।
2. **वर्गीकरण** – इन स्थलों का स्थापत्य, कलाए, पर्यटकीय महत्व, सम्प्रदाय व पंथ के अनुसार इनका वर्गीकरण करके अध्ययन किया जायेगा।
3. **प्रश्नोत्तरी** – सर्वे के दौरान सम्बन्धित स्थलों का भौतिक रूप से अध्ययन किया जायेगा तथा सम्बन्धित पंथ के प्रमुख सन्तों व पीठाधीशों, संगठनों, ट्रस्टियों, व्यवस्थापकों से व्यक्तिगत सम्पर्क कर सामग्री एकत्रित की जा सकेगी। इसके अतिरिक्त अनुयायियों के साक्षात्कार से भी आवश्यक सामग्री एकत्रित की जायेगी। इन स्थलों पर आने वाले पर्यटकों तथा पर्यटन से जुड़ी सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं से भी जानकारी एकत्रित की जायेगी।
4. **पुरालेखीय विधि** – सम्बन्धित स्थलों के पुरालेखीय साक्ष्य एकत्रित किये जायेगें, इस सम्बन्ध में पुराने रिकार्ड, पोथियों, बहियों, धार्मिक ग्रन्थों व अन्य सामग्री का अध्ययन किया जायेगा।

**Annexure – VI**

**मौलिक ग्रन्थ**


| | | |
|---|---|---|
| 1. | आप्टे, हरिनारायण (सम्पा.) | : अग्नि पुराण, आनन्दाश्रम संस्कृत सीरीज, पूना, 1900. |
| 2. | विष्णुबन्धु, विश्वेश्वरानंद (सम्पा.) | : अथर्ववेद, वैदिक संस्थान, होशियारपुर, 1961. |
| 3. | मोरिस, आर.एण्ड.हाडी (अनु.) | : अंगुत्तरनिकाय, ई.पी.टी.स., लंदन, 1885–1900 |
| 4. | बसु, सतीशचन्द्र (सम्पा.) | : अष्टाध्यायी, बनारस, 1897. |
| 5. | उपाध्याय पं. गंगाप्रसाद (सम्पा.) | : शतपथ ब्राह्मण, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली, 1949 |
| 6. | टॉनी, सी.एच.,(अनु.) | : कथाकोश, लंदन, 1895. |
| 7. | टॉनी, सी.एच.,(अनु.) | : कथासरित्सागर, 2 खण्ड, कलकत्ता, 1880–84. |
| 8. | दुर्गाप्रसाद एवं पाण्डुरंग, काशीनाथ | : कर्पूर मन्जरी, निर्णयसागर प्रेस, बम्बई, 1949. |
| 9. | याकोबी, एच.,(सम्पा.) | : कल्पसूत्र, आक्सफोर्ड, 1892. |
| 10. | सारस्वत, केदारनाथ शर्मा (अनु.) | : काव्य मीमांसा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना,1954 |
| 11. | उपाध्ये, ए.एन., (सम्पा.) | : कुवलयमाला, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, 1963–65 |
| 12. | वाचस्पति, गौरोला, (सम्पा.) | : कौटिलीयार्थशास्त्रम्, वाराणसी 1977. |
| 13. | गुप्त, माता प्रसाद, (सम्पा.) | : पृथ्वीराजरासो, झांसी, वि.सं. 2020 |
| 14. | ओझा, जी.एच. व गुलेरी, चन्द्रधर (सम्पा.) | : पृथ्वीराजविजय, अजमेर, 1941 |
| 15. | रेऊ पण्डित विश्वेश्वरनाथ, | : मारवाड़ का इतिहास, भाग प्रथम, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, पुनः मुद्रण, 1998 |
| 16. | शर्मा, कालूराम, (अनु.) | : कर्नल जेम्स टॉड कृत राजस्थान का इतिहास, श्याम प्रकाशन, जयपुर, 1990. |
| 17. | राणावत, मनोहरसिंह, (सम्पा.) | : मुहणोत नैणसी री ख्यात, श्री नटनागर शोध संस्थान, सीतामऊ, मन्दसौर, 1987 |
| 18. | व्यास, श्यामाप्रसाद, | : राजस्थान के अभिलेखों का सांस्कृतिक अध्ययन, जोधपुर,1986 |
| 19. | स्वामी, नरोत्तमदास,(सम्पा.) | : बांकीदास री ख्यात, राज. प्रा. विद्या. प्रतिष्ठान, जोधपुर, 1882 |

**सहायक ग्रन्थ**


| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | अग्निहोत्री, पी.डी. | : | पतंजलिकालीन भारत, पटना, 1963 ; वैदिक दर्शन दिल्ली,1989. |
| 2. | अली रहमान | : | प्रतिहार आर्ट इन इण्डिया, दिल्ली, 1987. |
| 3. | आप्टे, बी.एम. | : | सोशल एण्ड रिजिजस लाइफ इन गृह्यसूत्राज, अहमदाबाद1939. |
| 4. | आसोपा, आर.के. | : | मारवाड़ का मूल इतिहास, जोधपुर, 1931 |
| 5. | उपाध्याय, वासुदेव | : | प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अध्ययन, दिल्ली, 1961 ; प्राचीन भारतीय मूर्ति विज्ञान, वाराणसी, 1970 ; प्राचीन भारतीय स्तूप, गुहा एवं मंदिर, पटना, 1989 |
| 6. | ओझा, जी.एच. | : | प्राचीन भारतीय लिपि माला, अजमेर, 1938 ; सिरोही राज्य का इतिहास, अजमेर, 1928 |
| 7. | कर्माकर, ए.पी. | : | दि रिलिजन ऑफ इण्डिया, लन्दन, 1950. |
| 8. | काणे, पी.वी. | : | धर्मशास्त्र का इतिहास, भाग 1–5, लखनऊ. |
| 9. | कालिया, आशा | : | आर्ट ऑफ ओसियन टेम्पल्स, नई दिल्ली, 1982. |
| 10. | कासेन्स, हनेरी | : | आर्किटेक्चरल एण्टीक्विटीज ऑफ वेस्टर्न इण्डिया, वाल्यूम 1–2, लन्दन, 1897. |
| 11. | कुलश्रेष्ठ, विजय | : | पृथ्वीराजरासो का लोकतात्विक अध्ययन, जयपुर, 1984. |
| 12. | क्रेमरिश, स्टेला | : | दि आर्ट ऑफ इण्डिया, लन्दन, 1954. |
| 13. | कृष्णदेव | : | टेम्पल्स ऑफ नार्थ इण्डिया, दिल्ली, 1969. |
| 14. | गहलोत, जे.एस. | : | राजपूताने का इतिहास, भाग 1–2, दिल्ली, 1983 |
| 15. | गहलोत, जे.एस. पुरोहित, एस.के. एवं शर्मा, नीलकमल | : | राजस्थान के प्रमुख अभिलेख, जोधपुर, 1988. |
| 16. | व्यास, राजेश कुमार | : | सांस्कतिक पर्यटन, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 2009 ; राजस्थान में पर्यटन प्रबन्ध, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, 2004 |
| 17. | गैरोला, वाचस्पति | : | भारतीय धर्म शाखायें और उनका इतिहास, वाराणसी, 1988. |
| 18. | गहलोत, सुखवीर सिंह | : | जोधपुर का सांस्कृतिक वैभव, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, 1997 |
| 19. | राठौड़, गोविन्दसिंह (सं.) | : | मारवाड़ की सांस्कृतिक धरोहर, सुधन प्रकाशन, जोधपुर, 1994 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 20. | घुर्ये, जी.एस. | : | राजपूत आर्किटेक्चर, बम्बई, 1968. |
| 21. | जैन, के.सी. | : | जैनिज्म इन राजस्थान, शोलापुर, 1963 ;<br>एन्शेण्ट सिटीज एण्ड टाउन्स ऑफ राजस्थान, दिल्ली, 1972 |
| 22. | तंवर, महेन्द्रसिंह | : | राजस्थान की सांस्कृतिक परम्पराएं, महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध–केन्द्र, जोधपुर, 2008 |
| 23. | ढाके, एम.एम., | : | इण्डियन टेम्पल फॉर्मस, नई दिल्ली, 1977. |
| 24. | तिवारी, मारूतिनन्दन | : | जैन प्रतिमा विज्ञान, वाराणसी, 1981. |
| 25. | परमार, बी.एम.एस. | : | युगों–युगों में राजस्थान : सिक्कों को माध्यम से जयपुर, 1973. |
| 26. | परिहार, जे.एन.सिंह | : | मध्यकालीन चारण काव्य, जोधपुर, 1982. |
| 27. | पाटनी, एस.एल. | : | अर्बुद मण्डल का सांस्कृतिक वैभव, सिरोही, 1984 |
| 28. | पाण्डे, राम | : | (सम्पा.) सोर्सेज फॉर कल्चर हिस्ट्री ऑफ राजस्थान,जयपुर,1983 |
| 29. | पाण्डेय, हीरालाल | : | उत्तर भारतीय राजाओं की धार्मिक नीति, पटना, 1988. |
| 30. | पुरी, बी.एन. | : | दि हिस्ट्री ऑफ गुर्जर प्रतिहार, बम्बई, 1957. |
| 31. | पेमाराम | : | मध्यकालीन राजस्थान में धार्मिक आन्दोलन, अजमेर, 1977. |
| 32. | भीष्मपाल, एच. | : | दि टेम्पल्स ऑफ राजस्थान, अलवर प्रकाशन, जयपुर, 1987 |
| 33. | मिश्र, वी.बी. | : | दि गुर्जर–प्रतिहारराज एण्ड देयर टाइम्स, दिल्ली, 1966. |
| 34. | मिश्र, वी.बी. | : | ज्यॉग्रेफी ऑफ राजस्थान, नई दिल्ली, 1967 |
| 35. | मुंशी, के.एम. | : | एन्शेण्ट गुर्जर देश एण्ड इट्स लिटरेचर, बम्बई, 1949 ;<br>दि ग्लोरी दैट वाज गुर्जर देश, बम्बई, 1955 |
| 36. | मेहता, पृथ्वीराज | : | हमारा राजस्थान, इलाहाबाद, 1950. |
| 37. | मोरगन, केनेथ | : | दि रिलिजन ऑफ हिन्दूज, दिल्ली, 1987. |
| 38. | बारहठ, नरपत | : | राजस्थान का सांस्कृतिक गौरव, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, 2008 |
| 39. | राठौड़, विक्रमसिंह | : | मारवाड़ का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, 1998 |
| 40. | मनोहर, राघवेन्द्र सिंह | : | राजस्थान के प्रमुख शक्ति पीठ, जयपुर, 2010 |
| 41. | रैना, ए. के. एवं किशोरसिंह | : | राजस्थान में पर्यटन प्रबन्ध : सिद्धान्त और व्यवहार, अभिनव प्रकाशन, अजमेर, 2007 |

42. बाँकली, मनोहरसिंह : माँ आशापुरा का मन्दिर तथा नाडोल का राजवंश, आद्यशक्ति माँ आशापुरा पाट स्थान ट्रस्ट, नाडोल (पाली), 2000

43. नागोरी, एस.एल. एवं नागोरी, कान्ता : राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास प्राचीन मध्यकालीन एवं आधुनिक, मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर, 2010

44. यादव, बी.एन.एस. : सोसायटी एण्ड कल्चर इन नॉदर्न इण्डिया इन दि ट्वैल्थ सेन्चूरी, इलाहाबाद, 1973

45. राय, यू.एन. : प्राचीन भारत में नगर तथा नगर जीवन, इलाहाबाद, 1965

46. राव, टी.ए. गोपीनाथ : ऐलीमेन्ट्स ऑफ हिन्दू आइकोनोग्रफी, वाल्यूम 1–2, मद्रास, 1914–16.

47. जसोल, नाहरसिंह एवं क्षीरसागर, डी.बी. : राजस्थान सन्त शिरोमणि राणी रूपादे और मल्लीनाथ, राणी भटियाणी ट्रस्ट, जसोल, 1998

48. रेउ, वी.एन. : राठौड़ो का इतिहास, जोधपुर, 1994 ;

49. रोज, एच.ए. : हिन्दू गॉड्स एण्ड गोडेसेज, दिल्ली, 1986.

50. लाला, सीताराम : हिस्ट्री ऑफ सिरोही राज, इलाहाबाद, 1920.

51. वशिष्ठ, नीलिमा : स्कल्पचर्ल ट्रेडीशन्स ऑफ राजस्थान, जयपुर, 1989 ; राजस्थान की मूर्तिकला परम्परा, जयपुर, 2001

52. विद्यार्थी, एम.एल. : इण्डियाज कल्चर थ्रू दि एजेज, कानपुर, 1952.

53. विद्याभूषण : दि कल्चरल हिस्ट्री ऑफ नॉर्थ इण्डिया दिल्ली, 1988.

54. वेदव्यास : राजस्थान के लोकतीर्थ, जयपुर, 1971.

55. वेबर, एम. : दि रिलिजंस ऑफ इण्डिया, इलिनोस, 1958.

56. वैद्य, सी.वी. : हिस्ट्री ऑफ मेडिवल हिन्दू इण्डिया, वाल्यूम 1–3, पूना, 1924–26.

57. व्यास, श्याम प्रसाद : राजस्थान के अभिलेखों का सांस्कृतिक अध्ययन, जोधपुर, 1986.

58. श्यामलदास : वीर विनोद सरस्वती पुस्तकालय,गुलाब बाग, राजस्थान सरकार जयपुर

59. शर्मा, आ. के. : भारत के प्राचीन नगरों का पतन, नई दिल्ली, 2000

60. शर्मा, जवाहर लाल : श्रीमद् भागवत का सांस्कृतिक अध्ययन, जयपुर, 1984.

61. शर्मा, जी.एन. : ए बिबलियोग्रेफी ऑफ मेडिवल राजस्थान, आगरा, 1965 राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, जयपुर, 1989

62. शर्मा, दशरथ : (सम्पा.) राजस्थान थ्रू दि एजेज, वाल्यूम 1, 1966 ;
अर्ली चौहान डायनेस्टीज, जयपुर, 1959.

63. शर्मा, मुंशीराम : भक्ति का इतिहास, वाराणसी, वि.सं. 2015.

64. शर्मा, कालूराम : उन्नीसवीं सदी के राजस्थान का सामाजिक एवं आर्थिक जीवन राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1974

65. शुक्ल, डी.सी. : अर्ली हिस्ट्री ऑफ राजस्थान, दिल्ली, 1978.

66. सक्सेना, शालिनी : राजस्थान के लोक तीर्थ, श्याम प्रकाशन, जयपुर, 2001.

67. नेगी, जगमोहन : पर्यटन एवं यात्रा के सिद्धान्त, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1992

68. सिंह, पी.एन. : पृथ्वीराज चौहान और उनका काल, नई दिल्ली, 1982

69. सिंह, भगवान : गुप्तकालीन हिन्दू देव–प्रतिमायें प्रथम खण्ड, दिल्ली, 1982.

70. शर्मा, यादवेन्द्र : राजस्थान से जान पहचान, विद्यार्थी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1991

71. शर्मा, के.के. : राजस्थान पर्यटन विकास, प्रगति प्रकाशन, जयपुर

72. हापकिंस, ई. डब्ल्यू. : दि रिलिजंस ऑफ इण्डिया, वोस्टन, 1895 ;
दि ग्रेट एपिक ऑफ इण्डिया, न्यू हवेन, 1901 ;
एपिक माइथोलॉजी, स्टसवर्ग, 1915.

73. गोयल, सुनील एवं सुरेश : पर्यटकों का स्वर्ग–राजस्थान, गोयल ब्रदर्स, जयपुर, 1985

74. आनन्द, उमा : गाईड टू राजस्थान, आई. टी. डी. सी. दिल्ली, 1985

75. त्रिगुणायत, सतीश कुमार : प्राचीन राजस्थान में वैष्णव धर्म, कोलकता.


**पत्र–पत्रिकायें**


1. आर्क्यालाजिकल स्टडीज।
2. इण्डिका, बम्बई।
3. इण्डियन आर्क्यालाजी ए रिव्यू, न्यू देहली।
4. इण्डियन एण्टीक्वेरी, दिल्ली।
5. इण्डियन कल्चर, कलकत्ता।
6. इतिहास दर्पण, नई दिल्ली।
7. एपिग्रेफिया इण्डिया, दिल्ली–कलकत्ता।
8. जर्नल ऑफ इण्डियन म्यूजियम, न्यू देहली।
9. जर्नल ऑफ दि एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल, कलकत्ता।

10. जर्नल ऑफ दि राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ हिस्टॉरिकल रिसर्च, जयपुर।
11. जिज्ञासा, (इतिहास एवं भारतीय सांस्कृतिक विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय) जयपुर।
12. न्यू इण्डियन एण्टीक्वेरी, बम्बई।
13. न्यू किलिअस, जयपुर।
14. पुरातत्व, नई दिल्ली।
15. परम्परा, (शोध पत्रिका) चोपासनी (चौपासनी)
15. प्रोसीडिंग्स ऑफ दि राजस्थान हिस्ट्री कांग्रेस।
16. प्रोसीडिंग्स ऑफ दि इण्डियन हिस्ट्री कांग्रेस।
17. मज्झमिका, उदयपुर।
18. मरू–भारती, पिलानी।
19. रिसर्चर, (राजस्थान पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, जयपुर)।
20. वरदा, बिसाऊ (राजस्थान)।
21. वैचारिकी, बीकानेर।
22. शोधक, जयपुर।

**कैटलॉग एवं गजेटियर्स**

1. कैटलॉग एण्ड टू राजपूताना म्यूजियम अजमेर, जयपुर, 1960–60.
2. कैटलॉग एण्ड गाइड टू सरदार म्यजियम जोधपुर, जयपुर, 1960–61.
3. राजस्थान डिस्ट्रिक्ट गजेटियर्स, जैसलमेर (जयपुर, 1973)
4. राजस्थान डिस्ट्रिक्ट गजेटियर्स, जोधपुर,(जयपुर, 1979)
5. राजस्थान डिस्ट्रिक्ट गजेटियर्स,पाली, (जयपुर, 1976)
6. राजस्थान डिस्ट्रिक्ट गजेटियर्स, सिरोही, (जयपुर, 1978)

**Annexure – VII**

## Chapter wise details of proposed research

| | | |
|---|---|---|
| अध्याय प्रथम | : | जोधपुर संभाग की भौगोलिक स्थिति |
| अध्याय द्वितीय | : | जोधपुर जिले के सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थल |
| अध्याय तृतीय | : | जैसलमेर जिले के सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थल |
| अध्याय चतुर्थ | : | बाड़मेर जिले के सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थल |
| अध्याय पंचम् | : | जालोर जिले के सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थल |
| अध्याय षष्ठम् | : | सिरोही जिले के सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थल |
| अध्याय सप्तम | : | पाली जिले के सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थल |
| अध्याय अष्ठम् | : | जोधपुर संभाग के सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थलों का सामाजिक जीवन पर प्रभाव एवं परम्पराओं के निर्वहन में इनका योगदान। |
| अध्याय नवम् | : | जोधपुर संभाग के सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थलों का कला, भाषा एवं साहित्य के संवर्धन में योगदान |
| अध्याय दशम | : | जोधपुर संभाग के सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थलों का धार्मिक सहिष्णुता में योगदान |
| अध्याय ग्यारह | : | जोधपुर संभाग के सांस्कृतिक एवं पर्यटक महत्व के प्रमुख धार्मिक स्थलों का पर्यटकीय महत्व |
| अध्याय बारह | : | निष्कर्ष |